

प्रभारी सचिव ने किया शहर के जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण



आयुक्त परिवहन विभाग एवं जिला प्रभारी सचिव शुचि त्यागी ने देर शाम को शहर में जलभराव क्षेत्र का निरीक्षण किया।

भरतपुर (निस)। आयुक्त परिवहन विभाग एवं जिला प्रभारी सचिव शुचि त्यागी ने देर शाम को शहर में जलभराव क्षेत्र का निरीक्षण कर जल निकासी के लिये किये जा रहे प्रयासों का मौका-

मुआधेंगी किया।

इस दौरान जिला कलटर डॉ. अमित यादव सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे। जिले में विभिन्न स्थानों पर लगातार जारी वर्ष के कारण उत्पन्न हुए हालात को कंटेनरेट में अधिकारीयों की बैठक लेकर प्रभारी सचिव ने कहा कि प्रशासन हालात पर

सतत निगरानी बनाये रखें।

भारी बारिश के चलते बंध बारैठा बांध औरपफ्लो

बायाना/भरतपुर, (निस)। उपर्युक्त व भरतपुर जिले के सभासे बड़े बांध बारैठा बांध के एक बार फिर से ओरपफ्लो होने पर गुलावर को इस बांध

■ बंध से कीरी 700 एमीसीएफटी पानी की निकासी की जा चुकी है जबकि बांध की कुल भराव क्षमता 1860 एमीसीएफटी है।

भरतपुर परियासात की ओर से कीरी 132 वर्ष 1892 में से बांध की याद बांध बांध के एक बार के बीच स्थित है। इस बांध के एक बार फिर से उकान मारने पर गुलावर को इस

बांध के चार गेटों को 9-9 फौट खोलकर और एक गेट को 4 फौट खोलकर बंध में से ओरपफ्लो पानी की निकासी की जा रही है।

यह पानी बांध से खुड़ी कुकंदन नदी में छोड़ा जा रहा है, जिससे इस नदी के निकासी बढ़ाव देने के लिये बारे कई गांव और खेड़ी जैसे हालात हो गये हैं और खेड़ों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

जल संसाधन विभाग के अधिकारी अधिकारी बने रहे तथा बांध के आज सुख से जरायार के बारे में इसी बांध की कीरी 700 एमीसीएफटी पानी की निकासी की जा चुकी है जबकि बांध की कुल भराव क्षमता 1860 एमीसीएफटी है, जो अभी प्रवर्ष बनी हुई है। बारे 10 दिनों में इस बांध के तीसरी गेट खोलकर जारी की जाएगी जो बांध की जा रही है। ऐसा मौका बारे 4 दशक में पहली बार बताया गया है। उन्होंने बताया कि निदियों में

सभी विभागों एवं एसडीआरएफ टीम को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए

भरतपुर (निस)। जिले में लगातार वर्षा के हालात को देखते हुए जिला कलटर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित यादव ने सभी विभागों के निकासी की जारी हो गयी है और खेड़ों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

जल संसाधन विभाग के अधिकारी अधिकारी बने रहे तथा बांध के आज सुख से जरायार के बारे में इसी बांध की कीरी 700 एमीसीएफटी पानी की निकासी की जा चुकी है जबकि बांध की कुल भराव क्षमता 1860 एमीसीएफटी है, जो अभी प्रवर्ष बनी हुई है। बारे 10 दिनों में इस बांध के तीसरी गेट खोलकर जारी की जाएगी जो बांध की जा रही है। ऐसा मौका बारे 4 दशक में पहली बार बताया गया है। उन्होंने बताया कि निदियों में

पानी के तेज बहाव को देखते हुए नदी के बहाव क्षेत्र एवं जलाशयों के आसपास आमजन को नहीं जाने के लिए पांदं किया गया है।

उन्होंने आमजन को जल बहाव क्षेत्र में पानी की आवक को देखते हुए एवं संसाधनों को हटाने, महिलाओं, बच्चों को इस दौरान नदियों व जलाशयों के आसपास नहीं जाने देने के लिए निकासी तथा लगातार वर्षा होने के कारण बसेडी से बायाना, खेड़िया मोड से सेवला एवं विकासना से हेतनपुर के आसपास नहीं जाने देने के लिए आहवान किया गया है। उन्होंने बताया कि लगातार बराव के तीव्रीके रहे वाले नारायाणी को साथ बराव रहे तथा जाने के लिए चिकित्सा विकासना बांध, बंध बारैठा से पानी की आवक को देखते हुए एवं विकासना बांध, बंध बारैठा के लिए स्थानीय पटवारी, ग्राम पंचायत विभाग, पंचायतीराज विभाग, जल संसाधन विभाग एवं जिले के सभी उपर्युक्त प्रशासन को मय आवश्यक संसाधनों के गतिशीलता के लिए बायान देने के लिए आवश्यक संसाधनों के अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने लगातार वर्षों को देखते हुए आमजन से अपील की है कि सुजानगंगा व जिले की अन्य नदियों, जांशनगंगा, झारोंग, बांधों में एवं जलस्तरों में स्नान करने नहीं जाएं। उन्होंने कहा कि ब्रह्मण पर जाने समय जल खोते के आसपास नहीं जाएं, पानी के बहाव क्षेत्र से दूर रहे।

उन्होंने बताया कि लगातार खर्चरे के निश्चयन के लिए आवश्यक संसाधनों को आवश्यक संसाधनों के अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने सभी विभागों को आवश्यक संसाधनों के लिए आवश्यक संसाधनों के अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।

उन्होंने बताया कि लगातार वर्षों में खड़ी फसलों पानी में ढूब गई है।